सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 54 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 28 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मुझे वह धर्म पसंद है जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सिखाता है।
-डॉ. भीमराव आंबेडकर

आराधना फिर कांग्रेस विधानमंडल दल... 8 | अब लोक सभा चुनाव पर भाजपा... 3 | कुशीनगर: बाबर की हत्या मामले... 7

विधान सभा में सीएम योगी और अखिलेश ने मिलाया हाथ, फिर चल दिए अपनी-अपनी 'राह'

पहली बार दोनों नेताओं ने ली विधान सभा सदस्य पद की शपथ, अखिलेश ने संभाली नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी

फोटो: सुमित कुमार

» डिप्टी सीएम बृजेश पाठक समेत नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर ने दिलायी शपथ

» जय श्रीराम और जय समाजवाद से गूंजा सदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव परिणाम के साथ राजनीतिक बयानबाजी की तल्खियां भी खत्म हो गयी हैं। आज जब नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव का विधान सभा में आमना-सामना हुआ तो दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। इस दौरान सीएम योगी ने सपा प्रमुख के कंधे पर हाथ भी रखा। पहली बार योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव ने विधान सभा के सदस्य पद की शपथ ली है। इसके साथ ही सपा मुखिया ने सदन में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी संभाल ली।

विधान सभा में आज नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण कराया गया। सबसे पहले सत्तारूढ़ भाजपा के विधायक दल के नेता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शपथ ली। उन्हें प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री ने शपथ दिलाई। उन्होंने नेता सदन का जिम्मा संभाला है। शपथ लेने के बाद जैसे ही सीएम योगी आगे बढ़े उनका सामना अखिलेश यादव से हुआ। अखिलेश को देखते ही सीएम योगी मुस्कुराए और दोनों ने हाथ मिलाया। इसके बाद अखिलेश ने शपथ ली। वहीं डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, बेबी रानी मौर्य, लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह समेत कई मंत्रियों और विधायकों ने शपथ ली। सीएम योगी आदित्यनाथ के शपथ लेते समय जय श्रीराम और अखिलेश के शपथ लेते समय जय समाजवाद के नारे लगाए गए। गौरतलब है कि अखिलेश मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव जीते हैं जबकि सीएम योगी गोरखपुर शहर सीट से विधायक बने हैं।

सदन की मर्यादा का सभी रखेंगे ध्यान: सीएम योगी

शपथ ग्रहण से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधानसभा, सदस्यों के स्वागत के लिए तैयार है। मैं सभी सदस्यों का स्वागत करता हूं। सदन की मर्यादा और विकास में सभी रुचि लेकर कार्य करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

सकारात्मक होगी विपक्ष की भूमिका : अखिलेश

विधान सभा में विपक्ष के नेता और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मैं अब विपक्ष में बैठूंगा। सरकार की जवाबदेही के लिए विपक्ष काम करेगा और विपक्ष की भूमिका सकारात्मक होगी।

विधान सभा अध्यक्ष के लिए सतीश महाना ने किया नामांकन

विधायक सतीश महाना ने सीएम योगी की मौजूदगी में विधान सभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया। उनका पद के लिए निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है क्योंकि विपक्ष ने भी सतीश महाना को समर्थन दिया है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

निजीकरण के विरोध में देशव्यापी हड़ताल, संसद के बाहर भी प्रदर्शन

» केरल-बंगाल समेत कई राज्यों में दिखा असर हिरासत में प्रदर्शनकारी

» बैंकिंग सेवाएं रहीं बाधित श्रम कानूनों में बदलाव का भी विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रम कानूनों में बदलाव और केंद्र के निजीकरण के फैसले के विरोध में ट्रेड यूनियनों की दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल (भारत बंद) आज से शुरू हो गई है।

हड़ताल का बैंकों और कई औद्योगिक क्षेत्रों में इसका खासा असर देखने को मिला। सबसे ज्यादा असर पश्चिम बंगाल और केरल में दिखा। वहीं संसद की कार्यवाही के बीच वामपंथी और द्रमुक सांसदों ने भारत बंद को समर्थन दिया और गांधी प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन किया। कोलकाता के जादवपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में विभिन्न ट्रेड यूनियनों और वामपंथी संगठनों के सदस्यों ने सड़कों को जाम किया। चेन्नई में दर्शनकारियों को हिरासत में लिया। बैंकों में भी हड़ताल रही।

मुख्तार अंसारी एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश

» कड़ी सुरक्षा में बांदा जेल से लाया गया लखनऊ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बांदा जेल में बंद पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को एंबुलेंस से कड़ी सुरक्षा में आज राजधानी लखनऊ लाया गया। मुख्तार को लखनऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया गया। लखनऊ के पीजीआई इलाके से होते हुए काफिला यहां पहुंचा। एंबुलेंस में मुख्तार अंसारी के साथ कई वकील भी मौजूद रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मुख्तार को पिछले साल सात अप्रैल को पंजाब से बांदा जेल लाया गया था। वह जेल की 16 नंबर बैरक में है। यहां मुख्तार को कोर्ट में पेशी के लिए लखनऊ ले जाया गया। मुख्तार अंसारी को लखनऊ में एसीजेएम तृतीय की कोर्ट में कमरा नम्बर 215 में डालीबाग में अवैध निर्माण के संबंध में पेश होना था।

भाजपा से टक्कर लेने के लिए सदन से सड़क तक दिखने वाली राजनीति करेंगे अखिलेश

» सपा प्रमुख के दांव से मायावती और प्रियंका की चुनौती बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव का यूपी केंद्रित राजनीति का फैसला सबसे ज्यादा बसपा और कांग्रेस की चुनौतियां बढ़ाएगा। उनकी यह रणनीति अपना वोट बैंक बचाए रखने और प्रदेश में भाजपा के मुख्य विकल्प की छवि बरकरार रखने का प्रयास माना जा रहा है। ऐसे में मायावती और प्रियंका गांधी को अपनी राजनीतिक जमीन सहेजने में कठिनाई होगी।

अखिलेश ने लोकसभा के बजाय विधानसभा में बने रहने के निर्णय से राजनीति के जानकारों को चौंका दिया है। सपा के वर्ष 2017 में सत्ता से बाहर होने पर वह कुछ समय विधान परिषद में रहे, पर वहां नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी अहमद हसन को दी। बाद में आजगमढ़ से लोकसभा पहुंचे। ऐसे में माना जा रहा था कि अभी भी वह प्रदेश के बजाय केंद्र की राजनीति को तरजीह देंगे। इधर कुछ वर्षों में यूपी में सीएम रह चुके नेता के लिए यही परंपरा मानी जाती है। हालांकि 2007 में मायावती के मुख्यमंत्री बनने के शुरुआती दो साल तब के निवर्तमान मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव नेता प्रतिपक्ष रहे। उसके बाद उन्होंने भी यह जिम्मेदारी अपने छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव को सौंप दी। अखिलेश के यूपी विधानसभा में बने रहने के फैसले पर दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक व राजनीतिक विश्लेषक डॉ. लक्ष्मण यादव कहते हैं कि अखिलेश समझ चुके हैं कि भाजपा से टक्कर लेने के लिए सदन से सड़क तक लड़ते हुए दिखना जरूरी है। लोकसभा चुनाव आने तक सपा के वोट बैंक के राष्ट्रीय राजनीति में किसी अन्य विकल्प की तलाश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। यह भी एक वजह है कि अखिलेश यूपी की राजनीति पर फोकस रखना चाहते हैं, जिससे अपने वोट बैंक को अपने साथ बनाए रख सकें।

एमएलसी चुनाव में मैदान छोड़ने वालों पर सपा सख्त, दो बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद चुनाव में सपा के जिन उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस लिए हैं, उन पर पार्टी हाईकमान सख्त हो गया है। पार्टी के छह उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस लिए हैं। इनमें से एक तो भाजपा में शामिल भी हो गया है। अब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इनके खिलाफ कार्रवाई में जुट गया है। इसी क्रम में सपा ने मिर्जापुर-सोनभद्र के उम्मीदवार रमेश सिंह व सहयोगी सुनील यादव को पार्टी से निष्काषित कर दिया है।

सपा ने 36 सीट में 34 पर उम्मीदवार उतारे थे। दो सीटों पर रालोद चुनाव लड़ रहा था। सपा शासन में हुए चुनाव के दौरान इन 36 सीट में से 33 पर सपा ने कब्जा जमाया था। लेकिन हालात बदले तो विधान सभा चुनाव से ठीक पहले सात एमएलसी भाजपा में चले गए। बाकी बचे 26 में 15 ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। सिर्फ 11 ने दोबारा मैदान में उतरने का एलान किया। निवर्तमान एमएलसी के चुनाव लड़ने से मना करते ही कई तरह के सवाल उठे। हालांकि बाद में सपा शीर्ष नेतृत्व ने 34 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की। बुलंदशहर से रालोद ने सुनीता शर्मा को उम्मीदवार बनाया। सुनीता ने बाद में नाम वापस ले लिया। बदायूं से सिनोज शाक्य, हरदोई से रजीउद्दीन, मिर्जापुर-सोनभद्र से रमेश सिंह, बांदा-हमीरपुर से आनंद त्रिपाठी एवं गाजीपुर से भोलानाथ शुक्ला ने नाम वापस ले लिया।

सपा उम्मीदवारों ने किया भाजपा का रूख

रालोद उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरी सुनीता शर्मा और बदायूं के सिनोज कुमार शाक्य भाजपा में जा चुके हैं। भाजपा अन्य उम्मीदवारों पर भी डोरे डाल रही है। माना जा रहा है कि पर्चा वापस लेने वाले अन्य उम्मीदवार भी जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे।

अवसरवादी हैं स्वामी प्रसाद: बेबीरानी

» दलित उत्थान के लिए करूंगी काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने वालीं उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबीरानी मौर्य ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर निशाना साधा है। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य को अवसरवादी बताते हुए कहा कि आज वह खुद देखें कि उनकी क्या स्थिति है?

विधानसभा चुनाव से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने श्रम और रोजगार मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। हालांकि वह फाजिलनगर सीट से भाजपा के सुरेंद्र कुमार कुशवाहा से 45,000 से अधिक मतों से चुनाव हार गए। बेबीरानी मौर्य ने कहा कि एक महापौर से भाजपा ने मुझे राज्यपाल और फिर कैबिनेट मंत्री बनाया। मैं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हूं। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य अवसरवादी थे। वह अवसर तलाशने आए थे। उन्हें जो करना था, वह करने के बाद चले गए। बेबीरानी मौर्य ने कहा कि वह दलित उत्थान और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करेंगी। वह खुद जाटव समाज से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने कहा कि उनका समाज उन्हें बड़ी उम्मीदों से देख रहा है।

बेबीरानी ने कहा कि भाजपा गरीबों और शोषितों के कल्याण के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि इसीलिए लोगों ने हमें फिर से मौका दिया है और हम उनके लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से वह आगरा की मेयर बनी थी, तब से उनका ध्यान महिला सशक्तिकरण पर है। मौर्य ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे कौन सा विभाग मिलेगा, लेकिन मुझे जो भी मिलेगा, महिलाओं पर मेरा ध्यान रहेगा। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर सख्ती से लागू किया जाएगा।

उत्तराखंड में विधानसभा सत्र को लेकर चर्चा

देहरादून (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। भाजपा विधायक मंडल दल की बैठक में 29 मार्च से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री आवास पर बैठक बुलाई गई है। धामी सरकार विधानसभा सत्र की तैयारियों में जुट गई है। मुख्यमंत्री आवास के मुख्य सेवक सदन में शाम आठ बजे भाजपा विधायक मंडल दल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें पार्टी के मंत्रियों और विधायकों से विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले मुद्दों का जवाब देने के साथ फ्लोर मैनेजमेंट की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

योगी मंत्रिपरिषद में सबसे अमीर मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में योगी ने अपने मंत्रिपरिषद के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। योगी के इस 53 सदस्यीय मंत्रिपरिषद से लोकसभा चुनाव 2024 की मजबूत तैयारी भी है।

योगी आदित्यनाथ की मंत्रिपरिषद में सबसे अमीर मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह हैं। अमेठी की तिलोई सीट से जीतकर आये मयंकेश्वर की घोषित संपत्ति 58 करोड़ रुपये है। उन्हें राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है। सबसे अमीर मंत्रियों में दूसरे नंबर पर राकेश सचान और तीसरे नंबर पर नंद गोपाल गुप्ता नंदी हैं। कानपुर देहात की भोगनीपुर सीट से जीत दर्ज करने वाले राकेश सचान ने अपनी संपत्ति 37.54 करोड़ रुपये व प्रयागराज की दक्षिण सीट से विजेता रहे नंदी ने 37.32 करोड़ रुपये घोषित की है। कई ऐसे सदस्य भी हैं, जिनकी संपत्ति 10 करोड़ रुपये से अधिक है।

नहीं स्वीकार कर सकती राष्ट्रपति का पद: मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोलीं, ऐसा करने से खत्म हो जाएगी बसपा

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि वह राष्ट्रपति का पद स्वीकार नहीं कर सकती हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि ऐसा करने से अंत में उनकी पार्टी बसपा खत्म हो जाएगी। मायावती ने कहा कि भाजपा ने आरएसएस के जरिए उनके बारे में दुष्प्रचार कराया कि यदि यूपी में बसपा की सरकार नहीं बनी तो बसपा सुप्रीमो मायावती को राष्ट्रपति बना देंगे।

ऐसा तो मैं सपने में भी नहीं सोच सकती। कांशीराम ने भी यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। मैं तो उनके पदचिह्नों पर चलने वाली उनकी शिष्या हूं। तो भला मैं यह पद कैसे स्वीकार कर सकती हूं। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने संगठन स्तर पर व्यापक फेरबदल किया। इसके तहत अब प्रदेश में तीन प्रभारी बनाए गए हैं। साथ ही प्रदेश को छह जोन में बांटते हुए जोन कोऑर्डिनेटर लगाए गए हैं। मायावती के भतीजे आकाश आनंद एकमात्र नेशनल कोऑर्डिनेटर बने रहेंगे। मायावती ने पार्टी मुख्यालय पर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों की बैठक ली और कहा कि भले ही अपेक्षित सफलता न मिली हो पर निराश नहीं होना है। आगे की तैयारियों में मजबूती से जुट जाएं। इसके बाद उन्होंने संगठन की बैठक में व्यापक बदलाव की घोषणा की। मेरठ निवासी पूर्व सांसद बाबू मुनकाद अली, बुलंदशहर के राजकुमार गौतम और आजमगढ़ से पूर्व एमएलसी विजय प्रताप को प्रदेश प्रभारी बनाया। जोन के सभी कोऑर्डिनेटर इन तीनों को रिपोर्ट करेंगे। ये तीनों मायावती को रिपोर्ट करेंगे। इसके अलावा पार्टी ने एक जोन में तीन मंडल शामिल करते हुए उन पर 3-3 कोऑर्डिनेटर लगाए हैं।

भीम राजभर बने रहेंगे प्रदेश अध्यक्ष

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को उनके पद पर बरकरार रखा गया है। भीम इस बार मऊ विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे और हार गए थे। माना जा रहा था कि उन पर भी कार्रवाई होगी, पर ऐसा नहीं हुआ।

गुड्डू जमाली की वापसी, आजमगढ़ से प्रत्याशी घोषित

बसपा ने अपने विधानमंडल दल के नेता रहे शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली की घर वापसी करा ली है। विधानसभा चुनाव से ऐन पहले जमाली ने कहा था कि वह पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा व ईमानदारी से काम करते हैं। बावजूद इसके ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बसपा सुप्रीमो उनसे संतुष्ट नहीं हैं। यह कहकर उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी और मुबारकपुर सीट से एआईएमआईएम के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। वह एआईएमआईएम के इकलौते प्रत्याशी थे, जिनकी जमानत बची। अब बसपा ने उन्हें आजमगढ़ लोकसभा सीट से उपचुनाव के लिए अपना प्रत्याशी बना दिया है। यह सीट सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोड़ने से खाली हुई है और छह माह के भीतर ही यहां चुनाव होना है।

अब लोक सभा चुनाव पर भाजपा की नजर

सरकार गठन में दिखा जातीय समीकरण

» सबका साथ, सबका विकास की रणनीति पर चल रही सरकार और संगठन

» पिछड़ों और दलितों को पार्टी ने दिया रिटर्न गिफ्ट, पिछड़े वर्ग से बीस तो आठ दलित बनाए गए मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा की नजर अब 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव पर है। सबका साथ, सबका विकास को सरकार व संगठन की नीति बनाकर 2014 से विजय रथ पर सवार भाजपा का भरोसा सत्ता में वापसी से और मजबूत हो गया है। यही नहीं भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने पिछड़ा वर्ग से 20 मंत्री बनाकर बड़े वोट बैंक को रिटर्न गिफ्ट देने के साथ आठ दलित मंत्री बनाकर इस वर्ग के वोट को भी सहेजने की रणनीति बनायी है।

सबको साथ लेकर चलने की रणनीति के कारण भाजपा को सवर्ण और पिछड़ों की तरह दलितों का भी भरपूर वोट मिला है। अब वह इसी रणनीति से लोक सभा चुनाव में भी जनता का विश्वास जीतना चाहती है। दूसरी पारी शुरू कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नई टीम स्पष्ट संदेश दे रही है कि भाजपा सबका हाथ थामे मिशन-2024 की ओर कदम बढ़ा चुकी है। योगी मंत्रिपरिषद में 22 पुराने मंत्रियों को हटाकर 32 नए चेहरे शामिल करने का अचंभित करने वाला नया प्रयोग बेशक दिखा हो लेकिन सरकार और संगठन चलाने के सिद्धांत सहित चुनावी जीत की सबका साथ, सबका विकास की रणनीति बरकरार रही है। पार्टी ने इस बार मंत्रिमंडल के गठन में जिस तरह से जातीय-क्षेत्रीय संतुलन साधा, उससे साफ है कि प्रदेश को सर्वसमावेशी सरकार का संदेश देने के साथ ही तैयारी अगले लोकसभा चुनाव के लिए है। दरअसल, 2017 में जब 47 सदस्यीय योगी मंत्रिपरिषद का गठन हुआ तब उसमें मात्र तीन दलित और 17 पिछड़ा वर्ग से मंत्री बनाए गए थे। विधान सभा चुनाव से पहले सितंबर में अंतिम विस्तार हुआ, तब कुल 60 मंत्रियों में 21 पिछड़ा वर्ग के, सात अनुसूचित जाति और एक अनुसूचित जनजाति के थे। पार्टी के इस प्रयोग का पूरा असर विधान सभा चुनाव परिणाम पर दिखा है। लगभग 54 प्रतिशत आबादी वाले पिछड़ा वर्ग ने भाजपा को भरपूर वोट दिया तो बसपा का आधार वोट बैंक कहे जाते रहे दलितों ने भाजपा को जिताने में दम लगा दिया। दोनों वर्गों को रिटर्न गिफ्ट भाजपा ने दिया है। इस बार शुरुआत से ही 53 सदस्यीय मंत्रिपरिषद गठित किया गया है। इसमें बीस पिछड़ा वर्ग तो आठ दलित वर्ग से हैं।

ब्राह्मण और महिलाओं को साधने की कोशिश

विधान सभा चुनाव से ठीक पहले विपक्षी दलों ने खूब हवा बनाई थी कि ब्राह्मण भाजपा से नाराज है लेकिन वह हवा सिर्फ अफवाह साबित हुई। ब्राह्मणों ने दिल खोलकर भाजपा को वोट दिया। उसके बदले योगी सरकार में सात ब्राह्मण मंत्री बनाए गए। दो उपमुख्यमंत्री में से एक को बदला लेकिन जातीय समीकरण वही रहे। डा. दिनेश शर्मा की कुर्सी बृजेश पाठक को सौंप दी गयी। इसी तरह भाजपा सरकार की तमाम महिला कल्याण की योजनाओं से प्रभावित आधी आबादी ने पूरा समर्थन भाजपा को दिया तो उनका मान रखते हुए पार्टी ने मंत्रिपरिषद में पांच महिलाओं को मंत्री बना दिया। भाजपा के रणनीतिकार मान रहे हैं कि यदि महिलाओं का वोट मजबूती से जुड़ा रहा तो लोक सभा चुनाव की लड़ाई और आसान हो जाएगी।

मुस्लिमों में चला पिछड़ा कार्ड

भाजपा ने बिना चुनाव लड़ाए मुस्लिम समाज से फिर एक मंत्री बनाकर सिर्फ रणनीति में बदलाव किया है। पिछली सरकार में शिया मुस्लिम समाज के मोहसिन रजा मंत्री बनाए गए थे तो इस बार मुस्लिमों में भी पिछड़ा कार्ड चल दिया। पार्टी ने अल्पसंख्यक मुस्लिम पसमांदा यानी पिछड़े समाज से ताल्लुक रखने वाले दानिश आजाद अंसारी को मंत्री बनाया है। अंसारी का प्रदेश में बड़ा वोट बैंक है। विधान सभा चुनाव में सपा को मुस्लिमों ने एकतरफा वोट दिया लेकिन लोक सभा चुनाव में भाजपा इसमें भी सेंध लगाना चाहती है।

सदन में आमने-सामने होंगे योगी और अखिलेश

» विधान सभा में प्रतिपक्ष की कमान संभालेंगे सपा प्रमुख

» करहल विधान सभा सीट से विधायक हैं सपा प्रमुख

» भाजपा सरकार को सदन में घेरते नजर आएंगे अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने अखिलेश यादव होंगे। अब वे जनता के मुद्दे सोशल मीडिया के साथ सदन में योगी के समक्ष उठाएंगे। इसके साथ वे सरकार को भी निशाने पर भी ताकि आने वाले 2024 के लोक सभा चुनाव में सपा की जमीन तैयार कर सकें। विधान सभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष की कमान संभालेंगे। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक में कल उन्हें सर्वसम्मति से सपा विधायक दल का नेता चुना गया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव अब विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में रहेंगे। वे सदन में भाजपा सरकार को घेरते नजर आएंगे। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बताया कि अखिलेश यादव को नेता विधानमंडल दल बनाने का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता लालजी वर्मा ने किया। इसका समर्थन राजेंद्र चौधरी ने किया। वहीं विधायक दल का नेता चुने जाने का प्रस्ताव सपा नेता अवधेश प्रसाद ने रखा, जिसका समर्थन वरिष्ठ विधायक आलम बदी आजमी ने किया। बाद में अखिलेश यादव सर्वसम्मति से नेता चुन लिए गए। विधान सभा चुनाव के मैदान में पहली बार उतरे अखिलेश यादव ने मैनपुरी के करहल विधान सभा क्षेत्र से जीत दर्ज की। आजमगढ़ से सांसद रहते विधान सभा का चुनाव लड़ने वाले अखिलेश यादव ने लोक सभा से इस्तीफा दे दिया है। अखिलेश ने कहा था कि वह विधानसभा में यूपी की जनता के मुद्दे उठाएंगे। अखिलेश यादव से पहले बलिया के बांसडीह से विधायक रहे राम गोविंद चौधरी नेता प्रतिपक्ष होते थे। इस बार वे चुनाव हार गए हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी ने छोटे दलों के साथ गठबंधन किया। सपा गठबंधन को 125 सीट मिली हैं। इनमें 111 विधायक समाजवादी पार्टी, आठ विधायक राष्ट्रीय लोकदल और छह विधायक ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के हैं।

सहयोगी दलों की बैठक 28 को

सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने शिवपाल यादव को लेकर कहा कि वे हमारे सहयोगी दल के मुखिया है। सपा की सभी सहयोगी दलों के साथ 28 मार्च को बैठक होगी। गौरतलब है कि सपा विधान मंडल दल की बैठक में शिवपाल सिंह यादव को नहीं बुलाया गया, जिससे वह नाराज हो गए। शिवपाल यादव ने कहा कि सभी विधायकों को फोन कर बैठक में बुलाया गया लेकिन मुझे पार्टी कार्यालय से कोई सूचना नहीं दी। मैं अब लखनऊ से सीधे इटावा जा रहा हूं। जब मुझे कोई सूचना नहीं दी गई तो मैं बैठक में नहीं जाऊंगा। मैंने समाजवादी पार्टी का प्रचार किया। मुझे कुछ नहीं कहना है। अभी कोई फैसला नहीं ले रहा हूं। मैं सपा का विधायक हूं।

विधान सभा में यूपी की जनता के उठाएंगे मुद्दे

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव यूपी विधान सभा में करहल सीट का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पहले अखिलेश यादव ने आजमगढ़ संसदीय सीट से इस्तीफा दिया तो ये बात साफ हो गई थी कि वे अब मुख्यमंत्री योगी को विधान सभा में घेरेंगे। भाजपा को पटखनी देने के लिए अब आगे 2024 की भी जमीन तैयार करेंगे। अखिलेश यादव ने करहल से प्रतिनिधित्व को जन आंदोलन का जनादेश करार देते हुए इसका मान रखने की बात कही थी। साथ ही आजमगढ़ से इस्तीफा देने की बात पर साफ किया संघर्ष के लिए ये त्याग जरूरी है। अखिलेश यादव ने कहा था कि विधानसभा में उप्र के करोड़ों लोगों ने हमें नैतिक जीत दिलाकर जन-आंदोलन का जनादेश दिया है। इसका मान रखने के लिए मैं करहल का प्रतिनिधित्व करूंगा व आजमगढ़ की तरक्की के लिए भी हमेशा वचनबद्ध रहूंगा। महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष के लिए ये त्याग जरूरी है। जनता के हितों के लिए सदन में संघर्ष करना पड़ेगा और समाजवादी विचारधारा के लोग इसमें पीछे नहीं है। भाजपा को सदन में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचारी जैसे कई मुद्दों पर अब जवाब देना ही होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चीन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के मायने

पाकिस्तान में आयोजित इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी)की बैठक में भाग लेने के बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत पहुंचे और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से वार्ता की। भारत ने साफ कर दिया कि दोनों देशों के बीच सामान्य संबंध के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति जरूरी है। इसके पहले चीन के विदेश मंत्री ने ओआईसी की बैठक में जम्मू-कश्मीर के मामले में विवादित टिप्पणी की थी, जिसका भारत ने तत्काल प्रतिरोध किया था। सवाल यह है कि क्या भारत आने से पहले चीन के विदेश मंत्री ने दबाव बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया? क्या विस्तारवादी चीन सीमा पर तनाव को बरकरार रखना चाहता है? क्या दुनिया को दिखाने के लिए वह शांति का पुजारी बनने का ढोंग रच रहा है? तनाव के बावजूद चीन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की भागीदारी क्यों चाहता है? क्या सीमा पर शांति स्थापित हुए बिना दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य हो सकते हैं? क्या यूक्रेन युद्ध के दौरान वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को देखकर चीन कोई नयी चाल चल रहा है?

दो वर्ष पूर्व लद्दाख के गलवान घाटी में हुए खूनी संघर्ष के बाद भारत-चीन के बीच तनाव चरम पर है। सीमा पर सेनाएं आमने-सामने हैं। हालांकि तनाव को कम करने के लिए सैन्य और कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। बावजूद इसके चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार भारत को उकसाने वाली कार्रवाई करता रहता है। मसलन, भारत आने से पहले चीनी विदेश मंत्री ने ओआईसी की बैठक में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया। इससे साफ है कि चीन भारत-विरोधी अभियान में पाकिस्तान के साथ है और भारत पर दबाव बनाना चाहता है। भारत ने भी अपना रुख साफ कर दिया है कि अगर संबंध सामान्य करना है तो सीमा पर शांति बहाल करनी होगी, सेनाओं को हटाना होगा। अपने विदेश मंत्री के भारत यात्रा के जरिए चीन दुनिया में खुद को शांति का पक्षधर दिखाने की कोशिश कर रहा है। वह चाहता है कि इस साल बीजिंग में होनेवाली ब्रिक्स शिखर बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री शिरकत करें। तनाव के कारण भारत के साथ उसके व्यापार में भारी गिरावट आयी है। ऐसे में वह भारत को साधने के लिए आक्रमक और कूटनीतिक चालें चल रहा है। यूक्रेन युद्ध में सीधे तौर पर रूस का साथ देने पर चीन पर अमेरिका की नजरें टेढ़ी हो गयी हैं। लिहाजा वह रूस के जरिए भारत को अपने साथ लेने की कोशिश कर रहा है लेकिन चीन को यह समझना चाहिए कि यदि वह भारत के साथ संबंध सुधारना चाहता है तो उसे न केवल भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना बंद करना होगा बल्कि सीमा पर पूर्ववर्ती स्थिति में भी लौटना होगा।

सवाल यह है कि क्या भारत आने से पहले चीन के विदेश मंत्री ने दबाव बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया? क्या विस्तारवादी चीन सीमा पर तनाव को बरकरार रखना चाहता है? क्या दुनिया को दिखाने के लिए वह शांति का पुजारी बनने का ढोंग रच रहा है? तनाव के बावजूद चीन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की भागीदारी क्यों चाहता है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मेडिकल पढ़ाई संकट की जड़ें तलाशें

दिनेश सी. शर्मा

यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई ने भारतीय मेडिकल पढ़ाई व्यवस्था पर अप्रत्याशित रूप से ध्यान खींचा है। युद्धग्रस्त यूक्रेन के कई शहरों में फंसे भारतीय छात्रों के दृश्य विचलित करने वाले हैं। संघर्षरत इलाके से निकलकर पड़ोसी मुल्कों की सीमा तक पहुंचने के प्रयासों में इन्होंने खुद को भीषण संग्राम की चपेट में पाया। इस निकासी ने लगभग दो साल पहले, कोविड महामारी की शुरुआत में, चीन के वुहान शहर में फंसे भारतीय छात्रों को निकालकर लाने की यादें ताजा कर दीं। बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल शिक्षा पाने को विदेशी यूनिवर्सिटियों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन यूक्रेन में इतनी बड़ी गिनती ने हैरत में डाला है। इस परिदृश्य के आलोक में भारत की मेडिकल शिक्षा व्यवस्था की समग्र पुनर्समीक्षा करना जरूरी हो जाता है।

भारतीय विद्यार्थियों द्वारा विदेशी यूनिवर्सिटियों में मेडिकल पढ़ाई करने के पीछे मुख्य कारण है भारत में बहुत ऊंची फीस और स्वदेशी मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त सीटें न होना। किंतु यह आंशिक रूप से सही है, असल समस्या बहुत गहरी है और हमारे स्वास्थ्य तंत्र से जुड़ी है। समस्या सुधारने का एकमात्र उपाय स्वास्थ्य व्यवस्था में ढांचागत बदलाव करके होगा और मेडिकल शिक्षा इसका एक अवयव है। मेडिकल शिक्षा समेत स्वास्थ्य व्यवस्था पर सबसे पहला सर्वे सर जोसेफ भोरे की अध्यक्षता वाली स्वास्थ्य सर्वे एवं विकास समिति ने 1940 में करवाया था। इस पैनल की अनेक सिफारिशों को आजादी के उपरांत लागू किया गया और लोगों की स्वास्थ्य जरूरतें पूरी करने हेतु नए संस्थान बनाए गए और स्थितियों के अनुसार मेडिकल शिक्षा पाठ्यक्रम में सुधार किया गया। स्वास्थ्य व्यवस्था का वैसा व्यापक और बृहद सर्वे दोबारा नहीं हुआ, अलबत्ता समय-समय पर खास विषयों को लेकर विशेषज्ञ समितियां जरूर बनीं। 1980 के दशक में, जब कॉर्पोरेट निजी अस्पताल चलाने की इजाजत मिली तो इनकी आमद के साथ लोगों की वास्तविक जरूरतें और इनके मुताबिक बनने वाली मेडिकल शिक्षा का संबंध जाता रहा। इस निर्णय ने जगह-जगह निजी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल खोलने की राह खोल दी।

कायदे से मेडिकल शिक्षा का विषय सरकार की जिम्मेवारी है, लेकिन कुछ राज्य सरकारों ने निजी मेडिकल कॉलेजों को बढ़ावा देने पर ज्यादा जोर दिया। बतौर एक नियामक, मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया

(एमसीआई), जिसको स्व-नियंत्रण संस्था होना चाहिए था, उसने उलटा निजी खिलाड़ियों की मदद की। कृषि क्षेत्र की अतिरिक्त कमाई मेडिकल और इंजीनियरिंग शिक्षा में निवेश करने की ओर मुड़ गई। वहीं अदालत ने निजी व्यावसायिक शिक्षा कॉलेजों को सरकारी संस्थानों से ज्यादा फीस वसूलने का हक दे दिया। भर्ती को आसान करने के लिए अनिवासी भारतीय (एनआरआई) और प्रोमोटर कोटे जैसी श्रेणियां जोड़ी गईं। मेडिकल सीटें सबसे ऊंचे बोलीदाता को बेची जाने लगीं। इसका परिणाम यह हुआ कि एक धंधे की तरह मेडिकल कॉलेज कुकुरमुत्ते की भांति उग आए। डेंटल शिक्षा के लिए इतनी बड़ी संख्या में कॉलेजों की स्वीकृतियां दे दी गईं कि कुछ संस्थानों को छात्र तक जुटाने मुश्किल हो रहे हैं। यहां से उत्तीर्ण होकर निकले एक डेंटल डॉक्टर को जो वेतन मिलता है, वह ड्राइवर और प्लम्बर से भी कम है। मेडिकल और डेंटल पढ़ाई का स्तर गिरता गया। वहीं उन बच्चों के अभिभावक जिनके बस में निजी कॉलेजों में ऊंचा चंदा देने की हैसियत नहीं थी, उन्होंने अपने बच्चों को विदेशों में खुली 'शिक्षा की दुकानों' में भेजना शुरू कर दिया। जाहिर है कि शिक्षा में निजी मेडिकल कॉलेजों की भागीदारी बढ़ाकर व्यवस्था में सुधार लाने वाला प्रयोग असफल सिद्ध हुआ। जो सरकारी एजेंसियां और अधिक निजीकरण करने पर जोर दे रही हैं, उन्हें कुछ उपायों पर ध्यान चाहिए। ऐसे कुछ विचार यूनिवर्सल हेल्थ केयर पर बने पैनल ने पिछले सालों के दौरान सुझाए हैं। इनमें कहा गया कि सरकारें वंचित जिलों में मेडिकल कॉलेज और संलग्न अस्पताल खोलें। इनमें भर्ती के लिए स्थानीय छात्रों को तरजीह दी जाए। इस तरह वंचित क्षेत्रों को मेडिकल कॉलेज मिल जाएंगे और वहां से पढ़कर निकले वह डॉक्टर मिलेंगे जो खुद इस इलाके से होने की वजह से अपने ग्रामीण इलाकों में सेवा करने में इच्छुक होंगे। इलाज संबंधी कुछ खास ग्रामीण जरूरतें जैसे सर्प-दंश, जच्चा-बच्चा मृत्यु दर में कमी, कुष्ठ रोग, दूषित जल-जनित बीमारियां इत्यादि में खास महारत हासिल हो पाएगी। इसके अलावा, डॉक्टरों का प्रशिक्षण अलग-थलग संस्थानों में न करके इसको समग्र स्वास्थ्य कार्यबल योजना का अंग बनाया जाए। यदि भारत को सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल पाने का ध्येय प्राप्त करना है तो इस किस्म की योजनाएं अपनाना बहुत महत्वपूर्ण है।

वानिकी के जरिये जल संरक्षण

ज्ञानेन्द्र रावत

बीते दिनों केन्द्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा वानिकी के जरिये 24 राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेशों में होकर बहने वाली यमुना, नर्मदा, झेलम, सतलुज, चिनाब, रावी, व्यास, ब्रह्मपुत्र, लूणी, गोदावरी, महानदी, कृष्णा और कावेरी मिलाकर तेरह नदियों के संरक्षण की घोषणा स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने 20 हजार करोड़ की राशि का प्रस्ताव किया है और कहा है कि आने वाले 10 वर्षों में इससे जहां 7417 वर्ग किमी वन क्षेत्र में वृद्धि होगी, वहीं 50.21 मिलियन टन कार्बन डाइआक्साइड सोखने में भी मदद मिलेगी। इससे जहां हर साल 1.887 घन मीटर ग्राउंड वाटर रिचार्ज होगा, वहीं 964 वर्ग घन मीटर मिट्टी के क्षरण में कमी आयेगी। उनके अनुसार इस अभियान की शुरुआत नर्मदा से की जायेगी।

असलियत में यह योजना भविष्य की चुनौतियों से निपटने सहित काप-26 में जतायी प्रतिबद्धता को पूरा किये जाने की दिशा में एक प्रयास है जिसके तहत 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में कमी किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। दावा किया गया है कि इस योजना का शुभारंभ सबसे पहले नर्मदा से होगा। गौरतलब है कि नर्मदा का औसतन प्रवाह क्षेत्र चौड़ाई में तकरीबन 20 से 25 किलोमीटर है। उसके दक्षिण में सतपुड़ा और उत्तर में विन्ध्याचल है। कुछ बरस पहले शिवराज सिंह सरकार ने मध्य प्रदेश में पौधरोपण के मामले में विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया था। गौर करने वाली बात है कि उसके बाद अब नर्मदा किनारे क्या ऐसी जमीन भी बची है जहां पौधरोपण किया जा सकेगा। जहां तक नदी के दोनों किनारे के क्षेत्र में पौधरोपण और मिट्टी के क्षरण का सवाल है, तो यह जगजाहिर है कि मिट्टी का क्षरण उन जगहों पर ज्यादा होता है, जहां पानी का प्रवाह ज्यादा होता है। ऐसे में जल भराव होने पर पेड़ों की जड़ें सड़ जाती हैं और पेड़ मर सकते हैं। यह भी सत्य है कि पेड़ों की जड़ें पानी के भराव का काम नहीं कर पाती हैं। पेड़ों के जरिये पानी के भराव की धारणा बेमानी है। जहां तक नदी किनारे पेड़ लगाने का सवाल है तो इसमें सबसे बड़ी बात यह कि नदी के किनारे राइपेरियन जोन होता है। उस जोन में वही वनस्पति पैदा होती है जो नदी के लिए हितकारी होती है इसलिए वहां उसी किस्म के पेड़ लगाये जाने चाहिए। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने यह दावा भी किया है कि गंगा दुनिया की दस स्वच्छ नदियों में से एक है और इन तेरह नदियों के संरक्षण की शुरुआत उन्होंने गंगा के स्वच्छता अभियान में सफलता के बाद की है। जानकारी के लिए बता दें कि गंगा आज भी उतनी ही मैली है जितनी 1986 में थी। गंगा के किनारे सुंदर घाट बना देने से गंगा स्वच्छ नहीं हो जाती।

आज भी फरुर्खाबाद के बाद वाराणसी और उसके आगे का जल प्रदूषित है। आज भी सैकड़ों एसटीपी खराब पड़े हैं और कुछ में तो बिजली की आपूर्ति ही नहीं है जबकि 1986 में गंगा एक्शन प्लान से लेकर 2014 में शुरू नमामि गंगे परियोजना, जिसमें केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों की प्रतिष्ठा दांव पर थी, हजारों करोड़ स्वाहा हो गये, उसके बाद भी देश की राष्ट्रीय नदी, पुण्यदायिनी, पतित पावनी गंगा जस की तस है। नमामि गंगे का हश्र तो सबके सामने है ही। उसमें भी दावा किया गया था कि योजना लागू करने की जिम्मेदारी राज्यों की होगी और अब भी यही कहा जा रहा है कि इस योजना को क्रियान्वित करने की जिम्मेवारी राज्यों की होगी। दरअसल, रिवर फ्रंट और उसके पास सड़के बना देने से गंगा की स्थिति या किसी नदी की स्थिति में कोई सुधार कहें या बदलाव नहीं आने वाला। ठीक उसी तरह कि देश की वन संपदा में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है जबकि हकीकत में देश में वन क्षेत्र लगातार घट रहा है। सीएसई की रिपोर्ट साबित करती है कि देश से 36 फीसदी वन क्षेत्र गायब है।

सरकार के मंत्री घोषणा कर रहे हैं कि इन 13 नदियों के संरक्षण हेतु वानिकी के लिए 20 हजार करोड़ की राशि का प्रस्ताव किया गया है। इसके लिए बजट आवंटित होगा, रोडमैप बनेगा, उसके बाद काम होगा। समझ नहीं आता कि जब नमामि गंगे की सफलता ही संदिग्ध है और उस पर दावे भले कुछ किये जायें, हकीकत जनता के सामने है। उस दशा में मंत्री के अनुसार इन तेरह नदियों की योजना में देश में इन नदियों की 202 सहायक नदियों को जोड़ा जायेगा, उनका भविष्य क्या होगा, यह सहज ही समझ में आता है। यह भी कि इतिहास इसका प्रमाण है कि नदियों के संरक्षण और शुद्धि हेतु जो भी प्रयास किये गये हैं, उसके अपेक्षित परिणाम नहीं आये हैं। ऐसा लगता है केंद्र सरकार की यह सारी कवायद पिछले बरसों में नदियों के प्रवाह, नदियों के बढ़ते प्रदूषण व रेत के खनन को लेकर जनता के रोष व मीडिया में आ रही चर्चाओं पर विराम लगाने का एक प्रयास है। दरअसल, इस कार्य हेतु एक सक्षम टीम की भी बेहद जरूरत है जो नदियों की समग्रता को समझे और जिनमें जिम्मेदारियों को स्वीकार करने की योग्यता हो तभी कुछ सार्थक परिणाम की आशा की जा सकती है और नदियों की पुरानी भूमिका को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

भोजन करते समय रखें कुछ बातों का ध्यान तो रहेंगे फिट

वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। इस कारण कई तरह की बीमारियां होती हैं। मोटापा इसका मुख्य लक्षण है। चिकित्सकों के अनुसार यदि हम भोजन करते समय या भोजन में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें तो न तो हम मोटे होंगे और न ही बीमार। आइए जानें खाना खाते समय किन बातों का ध्यान रखकर रहा जा सकता है स्वस्थ.....

खूब चबाकर करें भोजन

वजन कम करने वाले लोगों के लिए यह जरूरी है कि खाने को कम से कम 30-35 बार तक चबाकर खाएं। कई बार पौष्टिक और संतुलित खाना खाते समय लोग उसे सिर्फ बहुत कम बार ही चबाते हैं। जिससे पेट से जुड़ी समस्याएं होती हैं। खाना अच्छे से चबाकर खाने से कब्ज दूर होता है, दांत मजबूत होते हैं, भूख बढ़ती है व एसिडिटी नहीं होती है।

सुबह नाश्ता जरुर करें

भूखे रहने से वजन कम नहीं होता, बल्कि वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। दिनभर में अगर हम निश्चित अंतराल पर अच्छे से चबाकर खाना खाते हैं तो पाचन क्रिया संतुलित रहती है। जो लोग सुबह नाश्ता नहीं करते उनकी पाचन क्रिया धीमी हो जाती है, जिससे खाना अच्छे से पच नहीं पाता और वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

बैठकर करें भोजन

भोजन बैठकर ही खाएं, क्योंकि चलते-चलते खाना खाने से पाचन क्रिया पर असर पड़ता है। बैठकर खाना खाते समय हम सुखासन की स्थिति में होते हैं, जिससे कब्ज, मोटापा, एसिडिटी आदि पेट से संबंधित बीमारियां नहीं होती हैं।

खाना खाते समय पानी पीने से बचें

भोजन के समय पानी पीने से पाचन क्रिया पर असर होता है। इसलिए खाने के आधे या एक घंटे पहले या बाद में पानी पीना चाहिए।

हंसना मना है

एक बार पत्नी ने अपने पति से पूछा- जब हमने शादी की थी, तब तो आप मुझे बड़े ही प्रशंसनीय नामों से बुलाते थे। ... जैसे मेरी रस मलाई, मेरी बरफी, मेरी रबड़ी.. लेकिन अब इन नामों से क्यों नहीं बुलाते! बहुत देर तक सोचने के बाद पति ने जवाब में कहा- दूध की मिठाई कितने दिन ताजी रहेगी!

पप्पू : जानू अब तुम चेंज हो गई हो **गर्लफ्रेंड** : क्यों **पप्पू**: अब मैं तुम्हें किस करता हूं तो तुम आंखें बंद नहीं करती **गर्लफ्रेंड** : पिछली बार बंद की थी तो मेरी पर्स से सौ रुपये गायब थे..

एक बार संता ट्रैफिक पुलिस में भर्ती का इंटरव्यू देने के लिए गया।
साक्षात्कार कर्ता: अगर एक आदमी गधे की सवारी करते हुए रोड से जा रहा है और उसने हेलमेट नहीं पहना है, तो क्या आप उसे दण्डित करोगे? **संता**: नहीं साक्षात्कार कर्ता: क्यों ? संता: क्योंकि हेलमेट टू व्हीलर के लिए जरुरी है, फोर व्हीलर के लिए नहीं!

दो सहेलियां आपस मे बात कर रही थीं। महिला: पहले मेरे पति भाग-भाग कर मेरी सारी फरमाइशें पूरी करते थे। सहेली: और अब? महिला: अब फरमाइश सुनते ही भाग जाते हैं।

कहानी — मजदूरों को मौत की सजा

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक सपना था कि एक ऐसी इमारत को बनाया जाये जिसको कोई भी देख कर दंग रह जाये। राजा ने अपने मंत्री को आदेश दिया की मजदूरों को इकट्ठा करो और उसको आदेश दो की एक ऐसा महल बनाये जिसे इस धरती पर सब देखे। मंत्री ने राज्य में जाकर बहुत सारे मजदूर और कारीगर एकत्र किए और उनको बताया कि तुम लोगों को एक ऐसा महल बनाना है जो दूर-दूर तक कहीं भी न हो और लोग देखने की लिए तरस जाये। सब लोग बहुत खुश थे। चलो अब कुछ सालों तक हमारे जीवन का गुजारा यही हो जायेगा। आदेश पाते ही सारे मजदूर और कारीगर काम में लग गए और राजा के सपने को साकार करने लगे। एक दिन राजा का मन हुआ कि चलो चल कर देखते हैं कि वे लोग कैसा महल बना रहे हैं। राजा जब महल देखने पंहुचा तो देखा महल का कुछ भाग बहुत ही गन्दा बना था। यह देख राजा बहुत क्रोधित हुआ और अपने मंत्री को बुलाया और बोला जो लोग काम कर रहे हैं सब लोगों को बुला लो और एक कमरे में बंद कर दो। मंत्री ने सारे वर्कर को एक कमरे में बंद कर दिया। फिर थोड़ी देर बाद राजा आया और बोला तुम लोग वहां क्या कर रहे थे। कुछ लोगों ने कहा, हम लोग तो अपना काम कर रहे थे और कुछ लोगों ने कहा आप ने नहीं देखा हम लोग कितना सुन्दर महल बना रहे थे। जो लोग यह बोले की हम काम कर रहे थे राजा ने उन लोगों को मार दिया और जो लोग यह बोले की हम सुन्दर महल बना रहे थे उनको छोड़ दिया।

सीख : अगर आप कहीं भी काम कर रहे है तो आप को अपने काम को दिखाना पड़ेगा नहीं तो सामने वाले को लगेगा की आप कुछ नहीं कर रहे हैं ।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। नौकरी में अमन-चैन रहेगा। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ — फालतू खर्च होगा। लाभ के अवसर टलेंगे। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। चोट व रोग से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यापार-व्यापार अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

कर्क — चोट व रोग से बचें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा।

सिंह — मेहनत का पूरा-पूरा फल मिलेगा। काम में उत्साह व प्रसन्नता से ध्यान दे पाएंगे। वाद-विवाद से अपना पक्ष मजबूत कर पाएंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

कन्या — कन्यावाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। अकारण क्रोध व उत्तेजना रह सकते हैं। बेवजह किसी से विवाद हो सकता है। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ रहेगी।

तुला — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार से लाभ होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक — भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

धनु — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कामों की रुकावट दूर होगी। स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में लाभ वृद्धि होगी।

मकर — चोट व दुर्घटना से हानि की आशंका बनती है। आशंका-कुशंका के चलते कार्य प्रभावित होंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। झंझटों से दूर रहें।

कुम्भ — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। नए मित्र बनेंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर अवसर बढ़ेंगे। समस्याएं कम होंगी।

मीन — नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

बालीवुड | मन की बात

मौत की झूठी अफवाहों पर छलका फरदीन खान का दर्द

फरदीन खान पिछले एक दशक से सिल्वर स्क्रीन से दूर चल रहे हैं। कुछ समय पहले उनका वजन काफी बढ़ गया था, जिसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई थीं। हालांकि अब उन्होंने खुद को फिट कर लिया है और वह बहुत जल्द फिल्मों में वापसी करने वाले हैं। इस बीच उनकी मौत की कई बार झूठी खबरें फैलाई गई थीं। ये खुलासा खुद फरदीन खान ने किया है। फरदीन ने बताया कि उनकी कार एक्सीडेंट की खबर फैलाई गई थी वो भी एक नहीं दो-दो बार। ऐसे में उन्हें अपने परिवार और दोस्तों की फिक्र होती है कि जब उन्हें ऐसी अफवाहों के बारे पता चलेगा तो वह कैसे रिएक्ट करेंगे। फरदीन ने इन अफवाहों पर नाराजगी जताई है। फरदीन खान ने बताया, ऐसा दो बार हुआ जब एक्सीडेंट से मेरी मौत की अफवाहें उड़ी हैं। अगर मेरी मां ने ऐसा देखा तो वह हार्ट अटैक से मर जाती या फिर मेरी पत्नी को यह पता चले या फिर कोई दूसरा इसे पढ़े, इसलिए मैं ऐसे गैर जिम्मेदाराना हरकत से बहुत चिढ़ता हूं. मुझे याद है कि रामपाल ने मुझे सबसे पहले मैसेज किया और पूछा कि क्या तुम ठीक हो? मेरा ये बताने का मतलब है कि वह जानना चाहता था कि मैं जिंदा हूं या मर गया।मालूम हो कि फरदीन आखिरी बार साल 2010 में फिल्म दूल्हा मिल गया में नजर आए थे। इसके बाद वह सिनेमा से दूर हो गए। इस फिल्म में उनके साथ सुष्मिता सेन की मुख्य भूमिका थीं। अब 12 साल के लंबे गैप के बाद फरदीन खान हॉरर-ड्रामा फिल्म विस्फोट से वापसी कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले फरदीन ने फिल्म की शूटिंग खत्म होने की जानकारी शेयर की थी। इस फिल्म में फरदीन के अलावा रितेश देशमुख, प्रिया बापट, डिसूजा जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

मीना कुमारी की बायोपिक में कृति सेनन निभायेंगी उनका किरदार

मीना कुमारी की बायोपिक बनने वाली हैं। टी-सीरीज ने दिवंगत अभिनेत्री के जीवन को पर्दे पर उतारने के लिए कमर कस ली है। साथ ही बॉलीवुड के गलियारों में इस बात पर भी चर्चा होने लगी है कि फिल्म में किस एक्ट्रेस को कास्ट किया जा रहा है। 31 मार्च 1972 में इस दुनिया को अलविदा कहने वाली मीना कुमारी एक शायरा भी थीं। अपने 33 साल के फिल्मी करियर में उन्होंने 92 फिल्मों में काम किया था। फिल्म जगत का मानना है कि वो एक ऐसी कलाकार थीं जो खूबसूरती और अदाकारी में लाजवाब थीं, उनके जैसा ना कोई था और ना होगा। ऐसे में उनकी बायोपिक में कौन सी एक्ट्रेस को कास्ट किया जाएगा इसे लेकर काफी एक्साइटमेंट है। मीना कुमारी की बायोपिक में कृति सेनन को कास्ट किया जा रहा है। कृति ने अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान तो नहीं किया लेकिन वो इसे लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने अपने करीबियों के साथ इस न्यूज को शेयर किया है। मिमी में दमदार अभिनय के बाद एक्ट्रेस इस रोल के साथ न्याय कर पाएंगे ऐसी उन्हें उम्मीद है। बेशक, मीना कुमारी पर एक बायोपिक, अगर वह इसे करती हैं तो, उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी, लेकिन वह इसके लिए तैयार हो सकती हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जा सकती है। बायोपिक का निर्देशन कौन करेगा, कुछ नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, पर इसपर अभी निर्णय नहीं किया गया। वहीं मीना कुमारी के जीवन पर एक ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा वेब सीरीज की योजना बनाई जा रही है, जिसकी आधिकारिक घोषणा पहले ही हो चुकी है। वह प्रोजेक्ट कमाल अमरोही के साथ उनकी प्रेम कहानी पर केंद्रित है। टी-सीरीज फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही हो सकती है। इसके अलावा कृति सेनन दो और फिल्मों पर काम कर रही है, जो 2023 में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | तड़का

पहले दिन RRR ने की बंपर कमाई, 18 करोड़ से खुला खाता

एसएस राजामौली की मोस्ट अवेटेड आरआरआर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। जूनियर एनटीआर और राम चरण स्टारर फिल्म को लेकर पहले से ही बज बना हुआ था। फिल्म रिलीज होते ही लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरती दिख रही है। वहीं अब इसकी पहले दिन की कमाई भी सामने आ चुकी है। बाहुबली के बाद एसएस राजामौली की आरआरआर लोगों का दिल जीतती दिख रही है। सिनेमाहॉल से बाहर निकल रहे लोग फिल्म की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। यही वजह है कि फिल्म ना सिर्फ हिंदुस्तान, बल्कि दुनियाभर में बंपर कमाई करती दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया में RRR ने पहले दिन 18 करोड़ रुपये की कमाई की है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म अमेरिका, कनाडा जैसे देशों में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। जूनियर एनटीआर और राम चरण दोनों ही साउथ सुपरस्टार हैं। इसके अलावा राजामौली तो अपने बेहतरीन डायरेक्शन के लिये मशहूर हैं ही। रमेश बाला के मुताबिक, साउथ में फिल्म ने अब तक 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर डाली है। साउथ के अलावा आरआरआर ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी अच्छा बिजनेस किया है। यूके में फिल्म का फर्स्ट डे कलेक्शन 2.40 करोड़ रुपये रहा। आंध्रा बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट के अनुसार राजामौली की आरआरआर पहले दिन 200 करोड़ का आंकड़ा पार करने में सफल रही। तेलुगू स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम की जिंदगी से इंस्पायर फिल्म आने वाले दिनों में क्या कमाल करती है, देखना दिलचस्प होने वाला है।

अजब-गजब | वजह जानकर रह जाएंगे दंग

ये थी दुनिया की सबसे अद्भुत रानी जो 700 गधियों के दूध से करती थी स्नान

आपने प्राचीन काल के तमाम राजा और रानियों की कहानी पढ़ी और सुनी होगी। इन कहानियों में हर राजा-रानी के अलग-अलग कामों के बारे में बताया गया होगा। आज हम आपको मिस्र की एक रानी की कहानी बताने जा रहे हैं जो अपनी सुंदरता को बरकरार रखने के लिए गधी के दूध का इस्तेमाल करती थी। वो भी एक-दो नहीं बल्कि 700 गधी के दूध से हर रोज नहाती थी।

दरअसल मिश्र की शासक रही रानी क्लियोपेट्रा के बारे में ऐसा ही कहा जाता है. बता दें कि क्लियोपेट्रा 51 ईसा पूर्व से 30 ईसा पूर्व तक मिस्र की रानी रही थीं। उस वक्त क्लियोपेट्रा को दुनिया की सबसे अमीर और खूबसूरत महिला माना जाता था। साथ ही उसका नाम इतिहास में एक ऐसी शख्सियत के रूप में दर्ज है, जो रहस्यों से भरी हुई थी। ऐसा कहा जाता है कि क्लियोपेट्रा इतनी खूबसूरत थी कि राजा और सैन्य अधिकारी उसकी सुंदरता का जाल में फंस जाते थे। वो अपनी सुंदरता के दम पर ही राजाओं और सैन्य अधिकारियों को अपने जाल में फंसाकर उनसे अपने सारे काम निकलवा लेती थी। उसके सैकड़ों पुरुषों से शारीरिक संबंध थे। साथ ही उसे दुनिया की 5 भाषाओं का भी ज्ञान था। यही वजह थी कि वो जल्दी ही किसी से भी जुड़ जाती थी और उसके सारे राज जान लेती थी। क्लियोपेट्रा खूबसूरत दिखने के लिए हर रोज 700 गधी का दूध मंगाती थी और उससे नहाती थी, जिससे उसकी त्वचा हमेशा खूबसूरत बनी रहती थी। हाल ही में हुए एक शोध में भी यह बात साबित हुई है। तुर्की में हुए एक अध्ययन के मुताबिक एक शोध के दौरान जब चूहों को गाय और गधी का दूध पिलाया गया तो गाय का दूध पीने वाले चूहे ज्यादा मोटे नजर आए। इससे यह साबित होता है कि गधी के दूध में गाय के दूध की तुलना में कम वसा होती है, जो हर लिहाज से बेहतर होता है। ऐसा माना जाता है कि क्लियोपेट्रा मिस्र पर शासन करने वाली अंतिम फराओ थी। हालांकि वह अफ्रीकी, कॉकेशियस या यूनानी थी, ये अभी तक रहस्य ही बना हुआ है। हालांकि क्लियोपेट्रा की मौत की महज 39 साल की उम्र में ही हो गई थी, लेकिन उसकी मौत कैसे हुई, ये भी आज तक रहस्य बना हुआ है।

इस गांव में प्याज और लहसुन खाने पर रोक बाजार से लाना भी माना जाता है अशुभ

हम सब जानते हैं कि प्याज खाने का स्वाद बढ़ाई है साथ ही ये कई तरह की बीमारियों में भी फायदेमंद होती है लेकिन आज हम आपको बिहार के एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां जहां प्याज खाना अशुभ माना जाता है। दरअसल, यह गांव जहानाबाद जिले की चिरी पंचायत में है। यहां के लोगों को प्याज महंगी हो या फिर सस्ती इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह गांव जहानाबाद जिले से करीब 30 किलोमीटर दूर है। गांव का नाम त्रिलोकी बिगहा है। इस पूरे गांव में कोई भी व्यक्ति प्याज नहीं खाता। यह 30 से 35 घरों की बस्ती वाला गांव है। यहां अधिकांश यादव जाति के लोग रहते हैं लेकिन पूरे गांव में कोई भी प्याज और लहसुन नहीं खाता। यहां तक कि गांव में प्याज और लहसुन बाजार से लाना भी मना है। गांव के एक बुजुर्ग रामविलास बताते हैं कि यहां के लोग सालों से प्याज और लहसुन नहीं खाते। उनके पूर्वज भी प्याज और लहसुन नहीं खाते थे। इस गांव में यह परंपरा आज भी कायम है। गांव के लोग प्याज और लहसुन न खाने का कारण गांव में स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर को बताते हैं। गांव की एक महिला बताती हैं कि गांव में ठाकुर जी का एक मंदिर है, इस कारण उनके पुरखों ने प्याज खाना प्रतिबंधित कर दिया था। 40-45 साल पहले किसी ने इस प्रतिबंध को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन तब उस परिवार के साथ अशुभ घटना घट गई थी। इसके बाद अब लोग बाजार से भी प्याज लाने से घबराते हैं। लोग प्याज खाने की हिम्मत भी नहीं करते। गांव के मुखिया बताते हैं कि वर्षों से गांव में यह परंपरा चली आ रही है। हालांकि वह ये भी कहते हैं कि इसे आप अंधविश्वास से भी जोड़ सकते हैं। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि इस गांव में सिर्फ प्याज और लहसुन ही नहीं, बल्कि मांस-मदिरा भी प्रतिबंधित है। गांव में कई लोग भी हैं, जिन्हें यह तक नहीं मालूम कि देश में प्याज की इतनी ज्यादा कीमत बढ़ गई है।

कुशीनगर : बाबर की हत्या मामले में सीएम योगी सख्त, जांच के आदेश

» इलाज के दौरान हुई मौत, दो गिरफ्तार, अन्य की तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी बना रहे कुशीनगर के युवक बाबर की पिटाई से मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ बेहद सख्त हो गए हैं। उन्होंने बाबर की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करने के साथ इस प्रकरण की शीघ्र जांच का आदेश दिया है।

सीएम ने कहा कि महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में बाबर की पिटाई का प्रकरण बेहद ही निंदनीय है। उन्होंने कुशीनगर के एसपी को इस प्रकरण की तत्काल निष्पक्ष जांच के लिए निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही शासन तथा पुलिस विभाग के आला अधिकारियों को जांच पर नजर रखने का निर्देश दिया है। बाबर कुशीनगर के कठघरही गांव निवासी था। कुशीनगर में 20 मार्च को मुस्लिम युवक बाबर की भाजपा का प्रचार करने और भाजपा की सरकार बनने पर मिठाई बांटने को लेकर पिटाई कर दी गई। पिटाई के बाद बाबर को छत से फेंका गया। इसके बाद उसको परिवार के लोगों ने गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां रविवार को उसकी मौत हो गई। युवक का शव गांव पहुंचा तो आक्रोशित परिजनों और गांव के लोगों ने अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। क्षेत्रीय विधायक पीएन पाठक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन अंतिम संस्कार करने को राजी हुए। भाजपा विधायक पीएन पाठक ने कहा कि आरोपियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, जिसने भी ये कृत्य किया उनकी नस्ल दोबारा ऐसा करने की नहीं सोचेंगी। परिवार के लोगों के मुताबिक, पड़ोस में रहने वाले पट्टीदार इस बात पर नाराज थे कि बाबर भाजपा का प्रचार कर रहा है। आरोप है कि बाबर ने रामकोला थाने से लेकर कई अधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगाई लेकिन उसकी गुहार नहीं सुनी गई। इस वजह से दबंगों के हौसले बुलंद हो गए। बाबर की पत्नी ने रामकोला थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसओ डीके सिंह ने बताया कि दो आरोपियों की गिरफ्तारी भी कर ली गई है। अन्य की तलाश की जा रही है।

भाजपा की जीत पर बांटी थी मिठाई, पट्टीदारों ने पीटा फिर छत से फेंका

जनता की अपेक्षाओं पर उतरेंगे खरा : संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। सदर भाजपा विधायक संजय सिंह गंगवार को योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में राज्यमंत्री पद मिलने के साथ ही उनकी चुनौतियां बढ़ गई हैं। अब सिर्फ सदर विधानसभा ही नहीं बल्कि पूरे जनपद में मिशन-2024 के लिए पार्टी संगठन की जमीन और अधिक मजबूत करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। राज्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद संजय सिंह गंगवार तेजी से सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। पार्टी संगठन ने राज्यमंत्री बनने का जो अवसर दिया है, उसे उपलब्धि में बदलने के लिए कार्य किया जाएगा। जनपद की जनता ने योगी सरकार से जो अपेक्षाएं की हैं, उसे मूर्त रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। खासकर युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए जनपद में औद्योगिक विकास को तेजी से कराया जाएगा, जिसके तहत जनपद में बड़े प्रोजेक्ट की स्थापना कराई जाएगी।

यूपी में 31 मार्च तक चलेगी भीषण लू, मौसम विभाग ने किया अलर्ट

» तेजी से बढ़ रहा तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में गर्म हवाओं के थपेड़े बदस्तूर जारी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। आज पूरे राज्य में लू के साथ लखनऊ में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही अगले कुछ दिनों तक गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य भर में 31 मार्च तक 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से धूल भरी आंधी और लू चल सकती है। इस दौरान पूर्वांचल भीषण लू की चपेट में रहेगा, जहां अधिकतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। यूपी में रविवार को सबसे गर्म आगरा रहा, जहां अधिक तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद वाराणसी का नंबर रहा, जहां अधिकतम दर्ज 39.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं राजधानी लखनऊ का अधिकतम तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में भी तीन से पांच डिग्री तक का इजाफा दर्ज किया गया। मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस जबकि फैजाबाद में 17.0 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया।

श्रद्धालुओं की कार दुकान में घुसी चार लोगों की मौत, पांच जख्मी

» आजमगढ़ में हुआ हादसा कार से लौट रहे थे दर्शनार्थी

» घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बालवरगंज में रविवार की शाम अंबेडकर नगर के बसखारी स्थित दरगाह से मत्था टेक कर वापस घर लौट रही दर्शनार्थियों की कार ने एनएच-233 पर अनियंत्रित होकर राहगीरों को रौंद दिया। इसके बाद कार एक चाय की दुकान में जा घुसी। दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अतरौलिया थाना क्षेत्र के पंचरी भगतपुर गांव निवासी 60 वर्षीय संत राम अपने 25 वर्षीय बेटे प्रदीप व छह साल के बच्चे के साथ बाइक से घर जा रहे थे। वह कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बालवरगंज के समीप पहुंचे ही थे कि फैजाबाद की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई। वह राहगीरों को रौंदते हुए डिवाइडर के दूसरी तरफ कई बार पलटी मारते हुए चाय की दुकान में घुस गई। इस दुर्घटना में मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई, वहीं आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों में संतराम, राम अवध, रामफेर व शिवा शामिल है। वहीं पांच लोग घायल हुए हैं।

लापता कारोबारी की यमुना में मिली लाश

प्रयागराज। पांच दिनों से लापता 40 वर्षीय दवा कारोबारी अमित सिंह की रविवार शाम यमुना में लाश मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। मुट्ठीगंज पुलिस की सूचना पर पहुंचे घरवालों ने शव की शिनाख्त की। अतरसुइया थाना क्षेत्र के पटेल नगर मोहल्ले में रहने वाले अमित सिंह मेडिकल स्टोर चलाते थे। पांच दिन पहले वह घर में झगड़ा करके बाहर चले गए थे। इसके बाद लौटकर नहीं आए। इससे परेशान परिवार वालों ने खोजबीन शुरू की लेकिन कुछ पता नहीं चला। तब अतरसुइया थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अपने स्तर पर तलाश शुरू की। रविवार शाम मुट्ठीगंज के गऊघाट स्थित एक मंदिर के पास उनकी लाश यमुना में मिली। नाविकों के बताने पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कराया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है।

अयोध्या को दुनिया की सबसे खूबसूरत नगरी बनाने के सपने को लगे पंख

ओम प्रकाश सिंह

» भाजपा सरकार की वापसी पर मनाया गया जश्न, तेजी से चल रहा मंदिर निर्माण का कार्य

» अगले साल तक रामलला के गर्भगृह में विराजमान होने की उम्मीद

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के लिए बन रहे मंदिर के चबूतरे की पहली लेयर का काम पूरा हो गया है। गर्भगृह के लिए इक्कीस फुट ऊंचा चबूतरा बनाने के लिए सात लेयर ढाले जाने हैं। दूसरी लेयर का कार्य प्रारंभ हो गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए आधुनिकतम तकनीक का इस्तेमाल करने की योजना बन रही है। रामलला का भव्य मंदिर चार सौ खंभों पर टिका होगा। वहीं योगी आदित्यनाथ के दोबारा मुख्यमंत्री बनने से अयोध्या के भव्य नगरी बनने के सपने को पंख लग गए हैं।

योगी आदित्यनाथ के दोबारा मुख्यमंत्री बनने से राम नगरी अयोध्या में जश्न का माहौल है। खुशी का कारण है योगी का वह सपना जिसमें राम मंदिर निर्माण के साथ अयोध्या को विश्व की सबसे खूबसूरत नगरी बनाने का है। यह संयोग ही है कि गुरुवार को राम मंदिर निर्माण चबूतरे की प्रथम लेयर का कार्य पूर्ण हुआ और शुक्रवार को योगी आदित्यनाथ ने दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया। पीएम नरेंद्र मोदी की इच्छा है कि अगले वर्ष के अंत तक रामलला रामममंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो जाएं। राममंदिर चार सौ खंभों पर टिका होगा। पूर्वमुखी द्वार से 32 सीढ़ियां चढ़कर श्रद्धालु अपने आराध्य का दर्शन कर सकेंगे। मंदिर का गर्भगृह 10.50 मीटर लंबा होगा। इसमें रामलला की मूर्ति प्रतिष्ठापित की जाएगी। अभी राममंदिर के नींव का काम चल रहा है। नींव के ऊपर रॉफ्ट ढलाई का काम अंतिम दौर में हैं। मंदिर का चबूतरा बनने में सात लेयर ढाली जानी है जिसमें से पहली लेयर का कार्य पूर्ण हो गया है। साल 2023 में गर्भ गृह में रामलला को विराजमान कर दिया जाएगा। इसके मद्देनजर प्लिंथ के निर्माण कार्य रिटेनिंग वॉल के कार्य पर मंदिर निर्माण समित की बैठक में विस्तृत रूप से चर्चा की गई है। माना जा रहा है कि अप्रैल महीने के बाद राम मंदिर के गर्भ गृह का निर्माण कार्य आरंभ होगा। गर्भगृह में रामलला के विराजमान होने के बाद पूरी दुनिया से श्रद्धालु व पर्यटक आएंगे। इन्हें उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाओं के साथ सुरक्षा की आधुनिकतम तकनीक पर भी कार्य प्रारंभ हो गया है। अयोध्या के जुड़वां शहर फैजाबाद के हर चौराहे को सीसीटीवी कैमरों व यातायात की लाइटों से लैस किया जा रहा है।

नए मंत्रियों को मिले निजी सचिव पहली बार हुई महिलाओं की तैनाती

» किसी भी पुराने स्टाफ को नहीं रखा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बदलाव किया हैं। मंत्रियों के साथ नए निजी सचिव तैनात कर दिए गए हैं। पुराने मंत्रियों के साथ तैनात सभी निजी सचिव हटा दिए गए हैं। पहली बार मंत्रियों के स्टाफ में बीस प्रतिशत महिलाएं तैनात की गईं हैं। निजी सचिव, अपर निजी सचिव, समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी और अनुसेवकों का चयन रैंडम आधार पर किया गया है। पहली बार महिलाओं को मंत्रियों के स्टाफ में तैनाती दी गई है। अब तक महिलाओं को मंत्रियों के स्टाफ में जगह नहीं दिए जाने की परंपरा रही है।

रैंडम एक सूची चुने जाने पर कोड के हिसाब से संबंधित कार्मिकों को मंत्री स्टाफ में तैनाती से संबंधित पत्र शनिवार को रात दस बजे तक तैयार किया गया। रविवार को कर्मचारियों को फोन कर सचिवालय बुलाया गया और पत्र दिया गया। मंत्रियों के स्टाफ की जो सूची तैयार की गई है उसमें किसी भी पुराने स्टाफ को नहीं रखा गया है। पिछले पांच साल के अंदर यदि कोई भी कार्मिक किसी मंत्री के स्टाफ में तैनात रहा है तो उन्हें सूची में शामिल नहीं किया गया। मंत्रियों के लिए करीब 120 अनुसेवक भी तैनात किए गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर हमारी सरकार की शुरू से जीरो टॉलरेंस नीति रही है। इससे पहले शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी थी। इस मौके पर पीए नरेन्द्र मोदी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए थे। राज्यपाल ने दो उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। उन्होंने मुख्यमंत्री की ही मंत्रणा से नियुक्त किए गए 16 कैबिनेट मंत्रियों 14 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा 20 राज्य मंत्रियों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

फोटो: सुमित कुमार

शपथ

लखनऊ(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में आज शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सहित भाजपा, सपा, कांग्रेस आरएलडी समेत विभिन्न दलों के विधायकों ने विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री ने सभी को विधायक पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय लोकदल के नवनिर्वाचित विधायकों ने विधानसभा में शपथ लेने के पहले चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

सोलर के माध्यम से बिजली की होगी बचत: पाठक

» सोलर के माध्यम से रोका जा सकता है कार्बन उत्सर्जन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए जो विश्व स्तर पर सम्मेलन हो रहे हैं उसमें भारत ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। सोलर के माध्यम से हम कार्बन उत्सर्जन रोक सकते हैं। पिछले कई सालों से लगातार इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने सफल प्रयास किये हैं। आज सोलर सिस्टम सभी घरों में पहुंच गया है।

ये बातें इंडिया सोलर एवं ई-व्हीकल एक्सपो के समापन समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। तीन दिवसीय इंडिया सोलर एवं ई-व्हीकल एक्सपो 2022

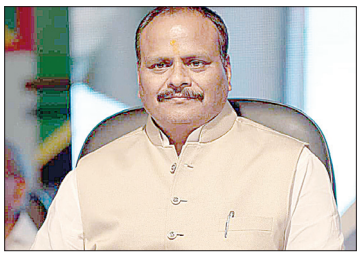

समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल मौजूद रहे। समापन भाषण में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी निर्भरता पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है, पेट्रोल के साथ-साथ बिजली के उपकरणों का भी सहारा लेना पड़ रहा है। कुछ ऊर्जा की बचत हमने सोलर के माध्यम से लेना प्रारंभ कर दिया है। यह बदलाव का दौर है। इस प्रकार के आयोजन स कंपनियों के अंदर प्रतिस्पर्धा की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।

सरकार को उद्यमियों की है आवश्यकता

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आगे कहा कि प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को उद्यमियों की बहुत आवश्यकता है। सरकार उनके साथ खड़ी है, कोई भी समस्या किसी भी विभाग से संबंधित हो तो उस पर उद्यमियों से मिल कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के एक ट्रिलियन डालर की इकानामी बनाने की योजना में हम उद्यमी भाइयों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण रहेगी। सोलर के माध्यम से आज बिजली की बचत शुरू हो गई है।

आराधना मिश्रा फिर कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता नियुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रतापगढ़ के रामपुर खास विधान सभा क्षेत्र से चुनाव जीतने वाली पार्टी प्रत्याशी आराधना मिश्रा मोना को कांग्रेस विधानमंडल दल का नेता नियुक्त किया है। आराधना को पार्टी ने दूसरी बार यह जिम्मेदारी सौंपी है।

पार्टी ने दूसरी बार दी जिम्मेदारी

कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा रामपुर खास सीट से लगातार तीन बार विधायक निर्वाचित हो चुकी हैं। उनसे पहले उनके पिता प्रमोद तिवारी ने लगातार नौ बार यह सीट कांग्रेस की झोली में डाली थी। प्रमोद तिवारी के राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर 2014 में रिक्त हुई इस सीट पर हुए उप चुनाव में आराधना ने पहली बार जीत दर्ज की थी। दूसरी बार उन्होंने 2017 के विधान सभा चुनाव में इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। वर्ष 2019 में अजय कुमार लल्लू को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर आराधना को पार्टी के विधानमंडल दल का नेता नियुक्त किया गया। रामपुर खास सीट से अठारहवीं विधान सभा का सदस्य निर्वाचित होने पर पार्टी ने एक बार फिर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस के पूर्व लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश सिंह ने उन्हें बधाई दी है। मोना के पिता प्रमोद तिवारी भी कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता रह चुके हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन

लखनऊ में बिजली विभाग के छह अधिशासी अभियंता होंगे सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी सरकार जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपनी दूसरी पारी में मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ के छह ऐसे अधिशासी अभियंताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है, जिन्होंने कनेक्शन देने में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की है।

इस कार्रवाई में कई जेई और सहायक अभियंता भी जद में आएंगे। मकान बनवाने के लिए पहले अस्थायी कनेक्शन महीनों व सालों तक चलाना और फिर उसे मिलीभगत करके खत्म कर देना। इस खेल में कई अधिशासी अभियंताओं की भूमिका संदिग्ध है। ऐसे को चिन्हित करके कार्रवाई की

तैयारी है। कार्रवाई अप्रैल माह में की जा सकती है। इनमें कुछ अधिशासी अभियंता से पदोन्नति पाकर अधीक्षण अभियंता भी हो गए हैं। राजधानी के 26 खंडों में अस्थायी कनेक्शन से स्थायी कनेक्शन को लेकर खूब खेल हुआ। इनमें से कुछ को बर्खास्त तक किया जा सकता है। इसकी जांच रिपोर्ट चंद सप्ताह पहले ही शक्ति भवन को तीन सदस्यीय टीम द्वारा सौंपी जा चुकी है।

प्रमोद सावंत ने ली गोवा के सीएम पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा नेता प्रमोद सावंत लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री बन गए हैं। सावंत ने आज सुबह गोवा के सीएम पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम तालेइगाओ में स्थित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम था। सावंत के अलावा भाजपा के आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है।

भाजपा विधायक विश्वजीत राणे, रवि नायक, अतानासियो मोनसेरेट, मौविन गोडिन्हो, नीलेश कबराल, सुभाष शिरोडकर, रोहन खुंटे और गोविंद गौड़े ने राज्य के मंत्री पद की रूप में शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों के कुछ मुख्यमंत्री भी समारोह में शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समारोह में शामिल रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।